मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 10 मई 2016

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमीतत्व / दिनांक	11/05/16	12/05/16	13/05/16	14/05/16	15/05/16
वर्षा (मि.मी.)	1	0	0	0	0
अधिकतमतापमान (°सेल्सियस)	43	43	42	42	41
न्यूनतमतापमान (°सेल्सियस)	29	28	27	27	27
बादलों कीस्थिति (ओक्टा)	3	2	1	2	1
सापेक्षिकआर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	54	52	50	48	42
सापेक्षिकआर्द्रता (प्रतिशत) शाम	24	26	22	24	26
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	10	12	11	12	15
हवा की दिशा	पश्चिम	पश्चिम–उत्तर–पश्चिम	पश्चिम–उत्तर–पश्चिम	पश्चिम–उत्तर–पश्चिम	पश्चिम–उत्तर–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
		इस समय तापमान में वृद्धि के कारण पौधों में वाष्पोत्सर्जन कि दर बढ जाती है अतः किसान भाई सब्जियों में 5–7 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करें।
मिर्च	फल एंव फूल	मिर्च की फसल में पर्ण कुंचन रोग के प्रकोप से पत्तें सिकुड़ कर मुड़ जातें हैं। रोग के नियंत्रण के लिए मिथाइल डिमेटोन 25 ई.सी. एक लीटर का प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
भिण्डी	फूल एंव फल	भिण्डी की फसल में पित शिरा मोजेक रोग के नियंत्रण के लिए डाइमेथोएट 30 ई. सी. एक मिली दवा का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
बेर	छंटाई	बेर की कटाई–छंटाई का उचित समय है। कटाई छटाई करें क्यों कि कक्ष से जो नये प्ररोह निकलते हैं उन्ही पर फूल एवं फल लगते हैं।
जीरा	मृदा उपचार	जिन किसान भाईयों के पास सिंचाई की सुविधा है और आगामी रबी की फसल में जीरा लगाना चाहते है तो वह जीरे में लगने वाले उखटा रोग के उपचार के लिए तैयारी करें। जिस खेत में जीरा लगाना है उसमें सरसों की फलकटी 2.5 टन व 0. 5 टन सरसों की खली प्रति हेक्टर का भुरकाव करके हेरो निकाल कर एक पानी तेज गर्मी के समय दें यह कार्य तापमान अधिक होने पर करें। ताकि फलकटी व खल के सड़ने से जो गैस निकले उससे उखटा रोग की फंफूद खत्म हो जाएं।

(नौडल ऑफीसर)